मध्यप्रदेश की अन्तर्राज्यीय पारदी गैंग के चार आरोपी गिरफ्तार

कपासन में दो न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास पर दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदातों का खुलासा कर चोरी का माल बरामद किया

कपासन, (निसं)। चित्तौड़गढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर मध्यप्रदेश की अन्तर्राज्यीय पारदी गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कपासन में दो न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास पर दिनदहाड़े हुई 26 तोला सोने व 250 ग्राम चांदी के जेवरात व अन्य कीमती सामान की नकबजनी की वारदातों का खुलासा कर चोरी का माल बरामद किया।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी द्वारा जिले में हुई नकबजनी व चोरियों के विरूद्ध कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिले के समस्त पुलिस अधिकारीयों को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में परबतसिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय चित्तौड़गढ़ एवं अनिल सारण पुलिस उप अधीक्षक वृत कपासन जिला चित्तौड़गढ़ के सुपरविजन में रतन सिंह पुलिस निरिक्षक थानाधिकारी थाना कपासन व साईबर सैल टीम की संयुक्त टीम गठीत की गई।

कपासन में पुलिस ने चोरी की वारदातों का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार 20 जुलाई को प्रार्थी महेन्द्र पिता प्रेमाराम सोलंकी निवासी श्रीनाथ कॉलोनी भुवाना जिला उदयपुर हाल अपर जिला एवं सेषन न्यायाधीश कपासन ने एक लिखित रिपोर्ट दी, कि मैं अपने सरकारी आवास जो कि न्यायालय के पास स्थित है, जिसमें निवासरत हुं। मैं न्यायालय में उपस्थित था तथा दिन में करीब डेढ बजे लंच करने के लिए आवास पर पहुंचा तो देखा कि घर के ताले टूटे हुए हैं व आवास के पिछे खिड़कियों के वेंटीलेशन काटकर अन्दर घुसकर मेरे कमरों की आलमारियों के ताले टूटे है। आलमारियों में रखे सोने व चांदी के जेवरात व नगदी चोरी हो गये।

उसी दिन प्रार्थिया निष्ठा पांडे आत्मज उंमाशकर पांडे निवासी मकरोनीया मुहाल जिला सागर मध्यप्रदेश हाल वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कपासन के आवास में भी उसी समय आवास का पीछे से पीछे वाले गेट का ताला तोड़ अज्ञात चोर अन्दर घुस कमरों का व आलमारियों के ताले तोड आलमारी में रखे सोने के आभुषण, चांदी के सिक्के व ब्राण्डेड कम्पनी की 40 हजार रूपये कीमत की 2 घड़िया व नगदी अज्ञात चोर चुराकर ले गये। दोनों रिपोर्ट पर पुलिस थाना कपासन पर प्रकरण दर्ज हो जांच शुरू की गई।

पुलिस टीम ने घटना के आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग प्राप्त कर घटना का रूटमैप तैयार किया। तकनिकी साक्ष्य एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश करते हुए रूट में आने वाले टोल प्लाजा वगैरा के करीब 200 जगह के सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर तकनिकी डाटा का विश्लेषण कर आरोपियों को नामजद कर उनके बारे में सूचना प्राप्त की, तो उक्त आरोपी आले दर्जे के नकबजन एवं अपराधी होने से टीम ने उनके संदिग्ध ठिकानों पर जगह-जगह दबीश दी। आरोपियों को मध्यप्रदेश के भोपाल, सिहोर व राजगढ़ जिले के अलग-अलग स्थानों से डिटेन कर पूछताछ की जाकर गिरफ्तार किया। आरोपियों द्वारा नकबजनी, लूट एवं डकैती जैसे जघन्य अपराध करना कबूल किया। उक्त आरोपी वारदात करने के बाद अपने ठिकाने बदल लेते हैं और कहीं पर भी सुरक्षित जगह पर झुग्गी लगाकर रहने लग जाते हैं, जिस कारण उनको पकड़ना बडा मुश्किल था पर गठीत टीम ने लगातार उनके ठीकानों का पता लगा उन ठिकानों पर दबिश देकर गिरफ्तार किये।

आरोपियों से कपासन में न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवासों से चोरी किया गया माल 20 तोला सोना व 250 ग्राम चांदी के जैवरात व कीमती ब्राण्डेड घड़िया बरामद कर ली है, जिनकी कीमत 17 लाख से अधिक है। चोरी के शेष माल की बरामदगी के प्रयास किये जा रहें है। वहीं आरोपियों द्वारा नकबजनी की वारदात के समय प्रयुक्त की गई कार को भी जब्त किया गया हैं। आरोपियों को गुरूवार को न्यायालय में पेष कर चार दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया गया हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सचिन पिता साईसिंह पारदी, पपुन पिता सहीसराज पारदी, रूपनारायण पिता सज्जन सिंह पारदी, रामबाबु पिता अमरलाल पारदी है।

चौमूं उपखण्ड मे बारिश होने से सड़कें दरिया बनी

चौमूं शहर में उपखण्ड कार्यालय के बाहर व पुलिस थाने के अन्दर बारिश का पानी भर गया

कालाडेरा-विमलपुरा सड़क के ऊपर से पानी गुजरने के कारण सड़क पर कटाव लग गया।

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड में लगातार कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस के बीच रविवार रात्रि से हो रही तेज बारिश के चलते लोगों को राहत मिली। तेज बारिश के कारण चौमूं शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के निचले हिस्सों में पानी भरने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

चौमूं शहर में उपखण्ड कार्यालय के बाहर व चौमूं पुलिस थाने के अन्दर बारिश का पानी भर गया। साथ ही उपखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी भरने के कारण सड़कें दरिया बन गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार अल सुबह तेज बारिश के चलते कई वर्षों से अतिक्रमण के भेंट चढ़ चूके नदी नालों में पानी की तेज आवक देखने को मिली। वहीं बारिश के कारण गुरुवार को उपखण्ड की कई स्कूलों की छुट्टी कर

- **कालाडेरा के नदी क्षेत्र से गुजरने वाली सड़क बारिश के तेज पानी से कटाव लगने से क्षतिग्रस्त हुई**

दी। उपखण्ड के ग्राम कालाडेरा में लगभग 15 वर्ष बाद नदी नालों में बारिश का तेज पानी देखा गया। कालाडेरा से विमलपुरा को जोड़ने वाली सड़क लगभग 6 महिने पहले बनीं थी जो मानसून की पहली बारिश में जगह-जगह से कटाव लगने के कारण टूट गई। तेज बारिश के कारण कस्बे व कस्बे के आसपास के गांवों का तेज बारिश का पानी आने के कारण कालाडेरा-विमलपुरा रोड पर पानी की पर्याप्त निकासी नहीं होने के कारण सड़क के ऊपर से पानी गुजरने के कारण लगभग 50 मीटर सड़क पर कटाव लगने के कारण सड़क टूटकर गिर गई। जिस समय सड़क के ऊपर से बारिश का पानी गुजर रहा था तो ऐसा लग रहा था कि कोई झरना बह रहा हो। इसी दौरान पास से गुजर रही दूध की गाड़ी पानी भरा होने के कारण सड़क के खड्ड़े में गिर गई जिसको पास ही गुजरने वाले लोगों ने गाड़ी को रस्सों की सहायता से पेड़ से बांधकर गाड़ी को पलटने से बचाया इसके बाद क्रेन मंगवाकर गाड़ी को खड़े से निकाला।

वहीं चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा चौमूं शहर के साथ ही ग्रामीणों क्षेत्रों का गुरुवार सुबह ही दौरा कर निचले हिस्सों में भरे पानी की निकासी को लेकर उपखण्ड अधिकारी व आपदा प्रबंधन के अधिकारियों से बात कर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने की बात कही।

राजस्थान साहित्य अकादमी ने अजमेर लेखिका मंच का सम्मान किया

कार्यक्रम में राज्य के सभी क्षेत्रों से शामिल साहित्यकारों की सहभागिता रही

समारोह में राज्य की साहित्यिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

अजमेर। राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर द्वारा आयोजित समारोह में अजमेर लेखिका मंच की लेखिकाओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी का प्रचार-प्रसार व लेखन द्वारा भाषा को समृद्ध करने के प्रयास व योगदान हेतु राज्य की साहित्यिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

अजमेर से डॉ. मधु खण्डेलवाल, डॉ. नन्दिता रवि चौहान, पुष्पा क्षेत्रपाल, पायल गुप्ता, डॉ. सुनीता पचौरी, दीपशिखा क्षेत्रपाल, सुनीता जैन को समारोह में शाल व स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्य के सभी क्षेत्रों से शामिल साहित्यकारों की सहभागिता रही। राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन

- **अजमेर से डॉ. मधु खण्डेलवाल, डॉ. नन्दिता रवि चौहान, पुष्पा क्षेत्रपाल, पायल गुप्ता, डॉ. सुनीता पचौरी, दीपशिखा, सुनीता जैन को सम्मानित किया**

में लेखिकाओं की रचनात्मकता और साहित्य में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अजमेर लेखिका मंच ने साहित्यिक समाज में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है और उनके प्रयास सराहनीय हैं। प्रेमचंद जयंती के अवसर पर सभी साहित्यकारों ने संगोष्ठी में अपनी सहभागिता दी।

इस अवसर पर मंच की संयोजिका डॉ. मधु खंडेलवाल ने अकादमी का आभार व्यक्त किया। प्रमुख सदस्यों को उनके साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रेमचंद की साहित्यिक जीवन व दर्शन पर प्रकाश डाला गया। इसके अंतर्गत कहानी वाचन और साहित्यिक चर्चाएं भी शामिल रही। समारोह में राज्य की साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देते हुए नवोदित लेखिकाओं को प्रोत्साहित और प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देव कोठारी और वक्ता की भूमिका में ललित श्रीमाली और तराना परवीन रहे। अकादमी पुस्तकालय भवन में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्ण कुमार शर्मा द्वारा की गई।

राजसमंद विधायक सहित अन्य प्रतिवादियों को समन जारी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजसमंद विधायक दिप्ती माहेश्वरी सहित अन्य सभी प्रतिवादियों को समन जारी किया है। हाईकोर्ट ने सभी को 20 सितंबर तक जवाब तलब करने का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार दिप्ती माहेश्वरी के उदयपुर व राजसमंद के वोटर कार्ड पर आपत्ति दर्ज करते हुए याचिका पेश की गई थी। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस विनीत कुमार माथुर की एकलपीठ में नोटिस जारी किया गया। याचिकाकर्ता

- **दिप्ती माहेश्वरी के उदयपुर व राजसमंद के वोटर कार्ड पर आपत्ति दर्ज करा याचिका पेश की थी**
- **याचिका में आरोप लगाया कि दिप्ती माहेश्वरी ने विधानसभा चुनाव 2023 में नामांकन के साथ राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया**

अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार खटीक ने एक चुनाव याचिका पेश की थी, जिसमें बताया कि राजसमंद में विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान आरओ के समक्ष आपत्तियां उठाने के बावजूद चुनाव शून्य घोषित नहीं किया गया। याचिका में आरोप लगाया कि राजसमंद विधायक दिप्ती माहेश्वरी ने विधानसभा चुनाव 2023 में नामांकन के साथ राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया। उससे पहले जब राजसमंद में उपचुनाव हुए थे, तब दिप्ती माहेश्वरी की ओर से उदयपुर का वोटर कार्ड नामांकन के साथ पेश किया गया था। एक व्यक्ति की ओर से दो-दो वोटर कार्ड कैसे बनवाए जा सकते हैं।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए उप चुनाव में उदयपुर का वोटर कार्ड और आम चुनाव में राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया गया है, जो कि अपराध की श्रेणी में आता है और चुनाव को भी शून्य घोषित किया जाना चाहिए लेकिन चुनाव अधिकारी ने उसकी आपत्तियों को नही सुना। ऐसे में हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है। जिस पर सुनवाई के बाद राजसमंद विधायक सहित अन्य को समन जारी किया गया।

इनको हुआ समन जारी :- दीप्ति माहेश्वरी, नारायण सिंह भाटी, घनश्याम मुरोदिया, मनिष पांडे, दिनेश कुमार, विनोद सोनवाल, मनोज कुमावत, जिला चुनाव अधिकारी राजसमंद, रिटर्निंग अधिकारी, उपमंडल अधिकारी, एडवोकेट हनुमान सिंह, श्रवण चौधरी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, आयुक्त व वी मार्ट माल को समन जारी किया गया।

ठेकेदार की हत्या के मामले का खुलासा, तीन गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना में ठेकेदार की हत्या कर अस्पताल में शव पटक कर फरार होने की वारदात का पुलिस ने बुधवार देर शाम को खुलासा कर दिया। इस दौरान पुलिस ने वारदात में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी कैलाशचंद यादव ने बताया कि लाखू तहसील चिड़ावा निवासी मृतक के बड़े भाई महिपाल सिंह यादव ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई चंद्रपाल (40) पुत्र हरसाराम यादव मंगलवार की शाम को घर पर किसी से बात कर रहा था। इस दौरान करीब सात बजे वह अपनी बोलेरो गाड़ी लेकर घर से चला गया जो पूरी रात वापस नहीं आया। इसके बाद सुबह सूचना मिली कि उसके भाई चंद्रपाल की बदमाशों द्वारा बेरहमी से मारपीट कर धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई है। घटना के बाद बदमाश उसके भाई

- **आरोपियों की निशानदेही पर मृतक की बोलेरो गाड़ी बरामद की**

की बोलेरो गाड़ी, फोन भी लेकर फरार हो गए तथा उसके शव को सिंघाना के राजकीय अस्पताल में हादसे का रूप देकर पटक कर फरार हो गए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी राजर्षि वर्मा ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भैसावता कलां निवासी दीपक उर्फ टीलू, सिंघाना निवासी योगेश टेलर पुत्र अनिल कुमार व खानपुर निवासी गुलशन पुत्र इंदरसिंह को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर पर मृतक की बोलेरो गाड़ी को बरामद कर लिया तथा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस द्वारा प्रथम जांच में रूपए के लेन-देन को लेकर शराब पार्टी के दौरान कहासुनी होने पर कांच की बोतल से वारदात होने की बात सामने आई है। मृतक के परिजनों ने वारदात में शामिल अन्य आरोपियों के गिरफ्तार नहीं करने पर दिल्ली-झुंझुनूं सड़क पर जाम भी लगा दिया था लेकिन पुलिस ने ग्रामीणों से समझाइश कर जाम को खुलवाया तथा शाम को परिजनों की सहमति बनने पर पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। टीम में थानाधिकारी कैलाश चंद यादव, पचेरीकलां थानाधिकारी राजपाल सिंह, एएसआई विद्याधर शर्मा, सुबेसिंह, इंद्राज सिंह, एचसी झाबरमल्ल, विकास लांबा, सुरेंद्र कुमार, धर्मपाल, कांस्टेबल राकेश कुमार, विक्रम सिंह, सुशील कुमार, निहाल सिंह, प्रवीण, सुनील, पवन कुमार आदि शामिल थे।

नासिरदा का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामभरोसे

देवली, (निसं)। देवली उपखंड के नासिरदा उप तहसील का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों रामभरोसे चल रहा है। नासिरदा ग्राम पंचायत के पांच चिकित्सकों वाले अस्पताल में इन दिनों एक महिला चिकित्सक कार्यरत है। वह भी इन दिनों छुट्टी पर चल रही है। ऐसे में ग्राम पंचायत के आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 10 पद रिक्त चल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में कुछ दिनों पहले ग्रामीणों ने भाजपा नेता विजय बैसला को भी नासिरदा स्वास्थ्य केंद्र में बनी हुई गंभीर समस्याओं से अवगत कराया था। वहीं पिछले दिनों ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र की हकीकत की पोल खोल कर रख दी थी। ग्रामीणों ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर ना तो चिकित्सक है और ना ही चिकित्साकर्मी है। वहीं ग्रामीणों को बीमारियों से संबंधित जरूरत की दवाइयां भी उपलब्ध नहीं हो रही है। इस गंभीर परिस्थितियों के बीच अपनी बीमारी से जूझ रहे पीड़ित मरीजों को देवली या केकड़ी की ओर इलाज करने के लिए आना पड़ रहा है। वही नासिरदा स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत महिला चिकित्सक अर्चना वर्मा भी इन दिनों छुट्टी पर चल रही है। गौरतलब है कि अभी हाल ही में 3 दिन पहले ग्रामवासियों ने स्वास्थ्य केंद्र पर बनी हुई गंभीर समस्याओं के निस्तारण हेतु स्वास्थ्य केंद्र के नर्सिंग स्टाफ कार्यवाहक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा था।

इस संबंध में डॉ. जगदीश मीणा, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, देवली (टोंक) का कहना हैकि नासिरदा स्वास्थ्य केंद्र में खाली चल रहे पदों के बारे में उच्च अधिकारियों को बताया जा चुका है। चार चिकित्सकों के पद रिक्त चल रहे हैं तथा महिला चिकित्सक छुट्टी पर चल रही है।

विराटनगर पालिका अध्यक्ष सुमिता सैनी निलंबित

पावटा, (निसं)। चार निविदाओं के कार्य आदेश जारी करते हुए किसी प्रकार का कोई सामान पालिका में प्राप्त न होना एवं पालिका क्षेत्र में उपयोग किये बिना ही चारों निविदाओं का अवैध भुगतान करना विराटनगर नगर पालिका अध्यक्ष (चेयरपर्सन) सुमिता सैनी को भारी पड़ गया। नियमों की अवहेलना और भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने पर मंगलवार को उन्हें नगर पालिका अध्यक्ष पद से निलंबित कर दिया गया।

स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर निदेशक एवं संयुक्त सचिव सुरेश कुमार ओला ने जारी आदेश में कहा कि चार निविदाओं फर्म मैसर्स देव ट्रेनिंग एण्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी एवं मैसर्स श्याम एंटरप्राइजेज विराटनगर को क्लोथ कैरी बेग सप्लाई, 60 वॉट एलईडी लाइट, स्ट्रीट लाइट सप्लाई, प्लास्टिक के छोटे डस्टबिन सप्लाई, फेज वायर (25-25) सप्लाई की चार निविदाओं के कार्य आदेश जारी करते हुए किसी प्रकार का कोई सामान पालिका में प्राप्त न होना एवं पालिका क्षेत्र में उपयोग किये बिना ही चारों निविदाओं का अवैध भुगतान करने के प्रकरण की जांच 9 फरवरी 2024 को विभागीय आदेश द्वारा निदेशालय स्तर पर गठित कमेटी द्वारा करवाई गई। इसके बाद पालिका अध्यक्ष सुमिता सैनी को भी अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया, जिसमें उनके द्वारा रखे गए तथ्यों को देखने के बाद पाया गया कि पालिका अध्यक्ष सुमिता सैनी द्वारा सभी समस्त नियमों का उल्लंघन कर तथ्यों को छुपाया गया है। इससे राज्य नीति का दुरूपयोग भी प्रमाणित होता है। वहीं उक्त निविदाओं में नपा अध्यक्ष सुमिता सैनी द्वारा भ्रष्टाचार करना स्पष्ट प्रतीत होता है।

पालिका अध्यक्ष सुमिता सैनी को राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39(1) के तहत सुनवाई का अवसर देते हुए स्पष्टीकरण नोटिस भी जारी किया गया। जिस पर स्पष्टीकरण नोटिस का जवाब प्रस्तुत किया गया। विभाग को प्राप्त स्पष्टीकरण नोटिस के परिक्षणोपरांत प्रकरण में प्रथमदृष्टया सुमिता सैनी को दोषी माना गया। रिपोर्ट पर कानूनी पक्षों की जांच के बाद स्वायत्त शासन विभाग की ओर से बुधवार को निलंबन आदेश जारी कर दिया गया। आदेश में बताया गया है कि सुमिता सैनी के पद पर बने रहने से अनुसंधान और गवाहों पर प्रभाव डाल कर जांच प्रभावित करने की संभावना है। अत: सुमिता सैनी को विराटनगर नगरपालिका अध्यक्ष पद से तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया।

मांडलगढ़ के सरकारी स्कूल भवन की दीवारों में दरारें आई

सीलन की बदबू और कमरों की कमी जैसी समस्याओं से विद्यार्थी जूझ रहे हैं

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ कस्बे के एक सरकारी स्कूल में शिक्षा व्यवस्था के दावों की पोल खोलने का नजारा सामने आया है। शिक्षा विभाग के सिस्टम की लापरवाही के चलते यहां जर्जर भवन व कक्षाकक्ष के अभाव में छात्र-छात्राओं को जान जोखिम में डालकर खुले आसमान के नीचे पढ़ाई करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ में जापरपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यायल में महज चार कमरे बने हुए हैं, जिसमें दो कमरों में किचन और स्टाफ ऑफिस संचालित है। स्कूल भवन में घटिया निर्माण के कारण दीवारों में दरारें पड़ गई है और बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता है। बारिश के मौसम में दीवारों में आई सीलन से कमरे का वातावरण बदबूदार बना रहता है। वहीं विद्यायल की अन्य सामग्री और कबाड़ में जहरीले जीव छीपे होने का खतरा बना रहता है। विद्यालय में एक महिला टीचर की नियुक्ति हैं और अन्य दो शिक्षिकाओं को डेपुटेशन पर लगा रखा है। इनको अध्यापन के साथ स्कूल की अन्य जिम्मेदारी भी निभानी पड़ रही है। वहीं स्कूल में चारदीवारी नहीं होने से आए दिन सांप, बिच्छू आने की दहशत बनी रहती है, फिर भी जान जोखिम में डालकर 123 बच्चों को यहां पढ़ाया जाता है। यहां बारिश के चलते स्कूल आने वाले बच्चों की छुट्टी करने के लिए शिक्षकाओं को मजबूर होना पड़ता है।

इस स्कूल में 123 छात्र छात्राओं को पढ़ाने के लिए महज तीन शिक्षिकाएं लगी हुई है, जिसमें एक स्थाई और दो शिक्षिकाएं डेपुटेशन पर हैं, जिससे कक्षा 1 से 8वीं तक के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय भवन जंगल के निकट होने से बच्चों में आए दिन जहरीले जीवजन्तु का खतरा बना रहता है। स्कूल में चारदीवारी के अभाव रात्रि में असामाजिक तत्व और आवारा पशुओं की आरामगाह भी बन जाता है।

जापरपुरा के विद्यालय के भवन और खेल मैदान लिए यहां 5 बीघा भूमि आवंटन है, लेकिन स्कूल पहाड़ी पर बनी हुई है। और यहीं पर खेल मैदान बना हुआ है। स्कूल के खेल मैदान की भूमि पर कई लोगों ने अतिक्रमण कर कच्चे-पक्के निर्माण कर लिए, जिन्हें आज तक नहीं हटाया गया। वहीं सरकारी विद्यालय के निकट एक शराब गोदाम भी संचालित है। स्कूल के नियुक्त शिक्षिकाओं ने बताया कि विद्यालय भवन की मरम्मत के लिए गत पांच सालों से विभाग के उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर मांग की जा रही है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया हैं।

छात्र छात्राओं ने बताया कि स्कूल परिसर में दो हाईटेंशन बिजली के टावर लगे हैं और 11 केवी की विद्युत लाइन के खम्भे भी लगे हुए हैं। राजस्व विभाग ने बिना रिपोर्टिंग विद्यालय की भूमि आवंटन कर दी। जिससे खेल के दौरान करंट का खतरा बना रहता हैं। दूसरी ओर विद्यालय भवन की रंगाई पुताई किए हुए कई साल बीत गए हैं। यहां आंगनबाड़ी का एक कमरा बना हुआ है, बारिश के दिनों में छत से जोरदार पानी आता हैं। आंगनबाड़ी भवन के टिनशेड आज से पांच साल पहले आंधी में उड़कर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ऐसे में देश के भविष्य की पीढ़ी को शिक्षित करने के सरकारी दावे की पोल खोलता यह स्कूल अपनी दुर्दशा पर आँसू बहा रहा है। वहीं जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही के चलते सिस्टम को लाचार बना दिया गया हैं।

मांडलगढ़ में जापरपुरा मोहल्ला के सरकारी विद्यालय में छात्र-छात्राएं खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं।

- **स्कूल में 123 बच्चों पर महज 3 टीचर है और खुले आसमान के नीचे क्लाश लगती है**